मेट्रो-3 का 50% भूमिगत मार्ग पूरा

19 महीने में हासिल हुई यह उपलब्धि

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. 19 महीने के भीतर मेट्रो-3 परियोजना का 50 फीसदी भूमिगत मार्ग एमएमआरसी ने पूरा कर लिया है. 56 किमी अप - डाउन लंबे भूमिगत मार्ग को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है.

विश्व का सबसे लंबा भूमिगत मार्ग

कुलाबा - बांद्रा से सीप्ज तक बनने वाले मेट्रो-3 विश्व का सबसे लंबा भूमिगत मार्ग है. मेट्रो -3 परियोजना के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं के बावजूद प्रशासन को यकीन है कि वह इस परियोजना को समय पर पूरा कर लेंगे. मेट्रो-3 में वैश्विक स्तर के मानकों का पालन किया जा रहा है. भूमिगत मार्ग बनाने में एक भी दुर्घटना हुए बिना 19 महीनों के भीतर 50 फीसदी भूमिगत मार्ग को पूरा करना बड़ी उपलब्धि है.

मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की व्यवस्थपकीय निदेशक अश्विनी भिड़े ने बताया कि भूमिगत मार्ग की खुदाई के लिए 17 मशीनें दिन रात काम में लगी हैं. भूमिगत मार्ग निर्माण के दौरान बेस स्लैब, कॉनकोर्स स्लैब, कॉलम और दीवार बनाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है.उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के भीतर इस रुट पर मेट्रो चलने की उम्मीद उन्होंने जताई है.

मुख्यमंत्री के वार रुम से निगरानी

भिड़े ने बताया कि मेट्रो -3 परियोजना की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय में बनाए गए वॉर रुम से सतत निगरानी रखने के अलावा रोजाना कार्य की समीक्षा भी की जा रही है. इस कार्य में हमें हिस्सेदारी निभाने वाली संस्थाएं और मुंबईकरों के सहयोग से यह परियोजना समय पर पूरा होने का भरोसा है.

भूमिगत मार्ग को 13 वां चरण पूरा

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों नंवबर 2017 में नयानगर लॉचिंग शाफ्ट में कृष्णा -1 टीबीएम मशीन खुदाई के लिए उतारी गई थी. लेकिन एक्चुअल खुदाई का काम 6 नवंबर 2017 से शुरू हुआ. भूमिगत मार्ग बनाने के लिए 17 टीबीएम मशीन का कार्यरत हैं जो विश्व के किसी भी देश में ऐसा नहीं हुआ.8 महीने के भीतर 12 चरण पूरा हुआ. अब तक सीप्ज में 1,सीएसएमआइए-टी2, सहार-2,एमआइडीसी, वरली, इंटरनेशनल एयरपोर्ट –1-1,दादर, विद्यानगरी और विधानभवन मे 2 चरण कुल 13 चरण पूरे हो चुके हैं. टीबीएम उतारने के लिए कफ परेड, इरोस सिनेमा, आजाद मैदान, साइंस म्युजियम, सिद्धिविनायक, नयानगर ,बीकेसी, विद्यानगरी, पाली मैदान, सारिपुत नगर, सहार रोड़ और सीएसएमटी एयरपोर्ट टी 2 में लॉचिंग शाफ्ट बांधा गया था.

19,495 सेगमेंट रिंग का उपयोग

बनाए जा रहे भूमिगत मार्ग में से सबसे बड़ा मार्ग विद्यानगरी से अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक का है जिसकी लंबाई 3.9 किमी है. जबकि सबसे छोटा सारिपुत नगर से सीप्ज तक का है जिसकी लंबाई 562 मीटर है. 28 किमी भूमिगत मार्ग तैयार करने के लिए कुल 19,495 सेगमेंट रिंग का उपयोग किया गया है. सेगमेंट रिंग्स मुंबई में 6 स्थानों पर तैयार हो रहा है जिसमें वडाला में 4, माहुल और जोगेश्वरी – विक्रोली लिंक रोड में 1-1 स्थान पर तैयार किया जा रहा है. बचे हुए 50 फीसदी हिस्से को 19 चरण में तैयार किया जाना है.

नियमों के अनुकूल काम पूरा

दक्षिण मुंबई की जर्जर इमारतों , मीठी नदी और उन्नत मुंबई मेट्रो -1 के नीचे से भूमिगत मार्ग का निर्माण हौसले के बिना संभव नहीं था. पर्यावरण पूरक, सभी नियमों का कडाई के पालन के साथ ही बिना सुरक्षा से कोई समझौता किए हम यह काम पूरा कर रहे हैं.

– अश्विनी भिडे, व्यस्थापकीय निदेशक, एमएमआरसी